स्वर्णिम हिन्दुस्तान
SWARNIM HINDUSTAN

मेवाड़ विश्वविद्यालय के योग के विद्यार्थी ऋषिपाल ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

उष्ट्रासन योग क्रिया को 31:27 मिनिट होल्ड करके बनाया विश्व रिकॉर्ड

चित्तौड़गढ़।
(स्वर्णिम हिन्दुस्तान)

योग वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए मेवाड़ विश्वविद्यालय के एमए के विद्यार्थी ऋषिपाल ने इंटरनेशनल पुष्कर फेयर में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। फाइन आर्ट, योग, एस्ट्रोलॉजी विभाग की डीन प्रोफेसर (डॉ) चित्रलेखा सिंह ने बताया कि हाल ही में हुए इंटरनेशनल पुष्कर फेयर में मेवाड़ विश्वविद्यालय योग के विद्यार्थी ऋषिपाल पुत्र स्व. प्रताप सिंह ने उष्ट्रासन को 31.27 मिनिट होल्ड करके विश्व रिकॉर्ड बना कर

विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। योग विभाग की विभागाध्यक्षा सुरभि शर्मा ने जानकारी दी कि योग के विद्यार्थी रिशिपाल ने पूर्व में भी कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किए हैं। इन्होंने सन 2018 में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है जिसमें इन्होंने 53 घंटे 29 मिनिट तक लगातार लंबी अवधि तक योगा मैराथन करने पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। ऋषिपाल की इस उपलब्धि पर कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया व कुलपति प्रोफेसर (डॉ) आलोक मिश्रा खुशी व्यक्त की और शुभकामनाएं प्रेषित की। ऋषि पाल ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने सभी गुरुओं को दिया है।

मेवाड़ विश्वविद्यालय के योग के विद्यार्थी ऋषिपाल ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

उष्टासन योग क्रिया को 31.27 मिनिट होल्ड करके बनाया विश्व रिकॉर्ड

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़। योग वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए मेवाड़ विश्वविद्यालय के एम.ए. के विद्यार्थी ऋषिपाल ने इंटरनेशनल पुष्कर फेयर में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। फाइन आर्ट/योग/एस्ट्रोलॉजी विभाग की डीन प्रोफेसर (डॉ) चित्रलेखा सिंह ने बताया कि हाल ही में हुए इंटरनेशनल पुष्कर फेयर में मेवाड़ विश्वविद्यालय योग के विद्यार्थी ऋषिपाल पुत्र स्व. प्रताप सिंह ने उष्टासन को 31.27 मिनिट होल्ड करके विश्व रिकॉर्ड बनाकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। योग विभाग की विभागाध्यक्षा सुरभि शर्मा ने जानकारी दी कि योग के विद्यार्थी रिशिपाल ने पूर्व में भी कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किए हैं। इन्होंने सन 2018 में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है जिसमें इन्होंने 53 घंटे 29 मिनिट तक लगातार लंबी अवधि तक योगा मैराथन करने पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। ऋषिपाल की इस उपलब्धि पर कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया व कुलपति प्रोफेसर (डॉ) आलोक मिश्रा खुशी व्यक्त की और शुभकामनाएं प्रेषित की। ऋषि पाल ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने सभी गुरुओं को दिया है।